Title: Regarding compulsory teaching of ethics in all educational institutions in order to prevent the new generation from moral decardence.

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : अध्यक्ष महोद्य, यह अत्यंत चिंता का विय है कि आज हमारे देश में मान्वीय मूल्यों का तेजी से ह्रास हो रहा है। आदमी लोभ और स्वार्थ के जाल में फंस कर राक्षसीवृत्ति के शिकार हो रहे हैं। येन केन प्रकारेण पैसा प्राप्त करने हेतु जघन्य अपराध करने को भी तत्पर हो जाते हैं। यही कारण है कि आज सच्चाई. ईमानदारी, धैर्य, साहस, करुणा, मान्वता, देशभक्ति और परोपकार जैसे मान्वीय मूल्यों का जीवन में कोई महत्व नहीं रह गया है, जबकि भारत विश्व गुरु कहलाता था और धर्मपरायण सुसंस्कृति के लिए विख्यात था। देश की नई पीढ़ी को मान्वीय मूल्यों से संस्कारित करने के लिए और उसकी प्रतिस्थापना हेतु देश के समस्त शिक्षण संस्थानों में नैतिक मूल्यों की शिक्षा अनिवार्य रूप से प्रदान करने की व्यवस्था की जाए। इससे श्रेठ एवं आदर्श भारतीय नागरिकों का निर्माण होगा।